1485

1-5-2020

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

मुझे मेरे परिवार के साथ अधीक से अधीक "समय" रहने को मील रहा है।

बाबास्वामी
1/5/2020

2-5-2020

शनीवार

आत्मा

मैं मेरी पत्नी के साथ
पहली बार जिवन
मे इतने "समय" साथ
रहा।

बाबास्वामी
2|5|2020

1487

3-5-2020

रविवार

❀ आत्मा ❀

पहली बार मुझे ध्यान
को समय देने को
मीला है, "परमात्मा"
इसके लीये मैं आपका
आभारी हुं।

बाबास्वामी
3/5/2020

1488

4-5-2020

सोमवार

❀ आत्मा ❀

इन दिनो मे मैं पहले
अधिक "स्वस्थ" व
तंन्दरुस्त महसुस कर
रहा हुं। (3 बार बोले)

बाबास्वामी
4/5/2020

1489

5-5-2020

मंगळवार

आत्मा

जिवन मे पहली बार
"सुक्ष्म शरीर" के साथ
मैं जुड पाया हुँ।
[इसे तीन बार बोल कर
महसुस करे]

बाबास्वामी
5/5/2020

1490

6-5-2020

बुधवार

आत्मा

मैं एक पवीत्र "आत्मा" हु यह महसुस होने लग गया है,

बाबास्वामी
6/5/2020

1491

7-5-2020

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

मैं महसूस करने लगा
हूँ की शुद्ध "आत्मा"
हो गया हूँ।

बालकस्वामी
7/5/2020

1492

8-5-2020

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

लॉकडाउन के बाद का समय मेरे लीये एक "नवजिवन" लेकर आने वाला है। [ऐसा सोचे]

बाबास्वामी
8/5/2020

1493

9-5-2020

शनिवार

आत्मा

यह समय ने मुझे
मेरी "आत्मा" के साक्षात्कार
ही निकट कर दिया है।

बाबास्वामी
9/5/2020

1494

10-5-2020

रविवार

❀ आत्मा ❀

यह समय मेरे जिवन का "स्वर्णीम काल" है। यह महसुस हो रहा है।

बाबास्वामी
10/5/2020

1495

11-5-2020

सोमवार

आत्मा

मेरी "प्रतिरोधक शक्ती"
इन दिनों में बहुत
बढ गयी है, यह
महसुस हो रहा है।

बाबास्वामी
11|5|2020

1496

12-5-2020

मंगळवार

❀ आत्मा ❀

मेरा आत्मविश्वास बहुत बढ गया है। ऐसा "महसूस" करे।

बाबास्वामी
12/5/2020

1497

13-5-2020

बुधवार

❀ आत्मा ❀

मै पहले अधीक "परमात्मा" के निकट पहुच गया हु। यह महसुस करे

बाबास्वामी

13/5/2020

1499

15-5-2020

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

मुझे जिवन मे पहली
बार इतनी "शांन्ती"
अनुभव हो रही है।
(यह महसुस करे)

बाबास्वामी

15|5|2020

1500

16-5-2020

शनीवार

आत्मा

मेरा आत्मबल पहले से अधीक बना हुआ "महसुस" हो रहा है।

बाबास्वामी
16/5/2020

1501

17-5-२०20

रविवार

❀ आत्मा ❀

"हिम्मत" करे इन्सान तो
क्या हो नहीं सकता
यह जान ले नादान
तो क्या हो नहीं
सकता

बाबास्वामी
17/5/2020

1502

18-5-2020

सोमवार

❀ आत्मा ❀

हमारा "चित्त" जहाँ होता है। वैसे ही हमे विचार आते है।

बाबास्वामी
18/5/2020

1503

19-5-2020

मंगलवार

आत्मा

जैसे विचार आते है।
वैसे ही "कर्म" हमसे
घटीत होते है।

बाबास्वामी
19/5/2020

1504
20.5.2020

बुधवार

🏵 आत्मा 🏵

वर्तमान का समय
संध्याकाल है, कल
और आने वाले कल
के बीच का

बाबास्वामी
20/5/2020

1505

२1-5-2020

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

कल आने वाला समय "नवयुग" है, वह नवयुग पिछले कल से अलग ही होने वाला है,

बाबास्वामी

21/5/2020

1506

22-5-2020

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

नवयुग के नये नियम
होंगे "नयी" मान्यताऐं
होंगी ।

बाबास्वामी
22/5/2020

1508

24.5.2020

रविवार

आत्मा

यह संध्या काल एक
युग का अंत व
एक युग के "प्रारंभ"
का समय है।

बाबास्वामी
24/5/2020

1509

25.5.2020

सोमवार

आत्मा

हम पुराना जितना कचरा
चित्त से निकाल पायेंगे
उतनी ही जगह चित्त
को "चैतन्य" भरने को
मिलेगी

बाबास्वामी
25/5/2020

1510

26-5-2020

मंगळवार

❀ आभा ❀

चित्त आपका है। कितना
कचरा निकालना है।
यह "निर्णय" भी आप
का ही है।

बाबास्वामी
26|5|2020

1511

27-5-2020

बुधवार

❀ आत्मा ❀

"परीवर्तन" तो प्रकृती का नियम ही है,
हम भी उसी प्रकृती के चक्र मे है,

बाबास्वामी
27/5/2020

1512

28-5-2020

गुरुवार

आत्मा

जब पिपल के झाड को
एक नया पत्ता कोंपल
के रूप में "खिलता"
है, तो एक सुखा
पत्ता गिरना भी है।

बाबास्वामी
28/5/2020

1513

29-5-2020

शुक्रवार

आत्मा

वह गिरा हुआ पत्ता
ही बाद में एक नयी
"कोपल" बन कर खिलता
है।

बाबास्वामी
29/5/2020

1514

30-5-2020

शनिवार

❀ आत्मा ❀

प्रकृती का "जिवन चक्र"
है। यह कभी ना
रुका है और न
रुकेगा।

बाबास्वामी
30/5/2020

1515

31-5-2020

रविवार

❀ आत्मा ❀

इस समय प्रकृती
भी एक धुरी से
दुसरी धुरी की ओर
चल रही है, "पृथ्वी"
जैसी ।

बाबास्वामी
31/5/2020